AGRAWAL EXAMCART

Paper Pakka Fasega!

व्यावहारिक सामान्य हिन्दी

इस पुस्तक में सम्पूर्ण हिन्दी व्याकरण, पत्र लेखन, संक्षेपण, पारिभाषिक शब्दावली एवं ऐसे कई नए अध्यायों का समावेश है जिनसे परीक्षाओं में अब काफी प्रश्न पूछे जाते हैं।

100% GUARANTEE

यह एक अद्वितीय पुस्तक है जिसमें विषय सामग्री को एक अनूठे तरीके से प्रस्तुत किया गया है जो आपकी हिंदी भाषा विषय की तैयारी को अति सरल बनाती है।

मुख्य विशेषताएँ

- यह पुस्तक सभी राज्यों की एकदिवसीय परीक्षाओं (पुलिस, कर्मचारी चयन आयोग इत्यादि), केंद्र एवं राज्यों की अध्यापक परीक्षाओं (CTET, राज्यों के TET, TGT एवं PGT), केंद्र (IAS) एवं राज्यों की सिविल (PCS) परीक्षाओं एवं प्रवेश परीक्षाओं (B.Ed., D.El.ED., सैनिक, जवाहर, CHS इत्यादि परीक्षाएं) के सम्पूर्ण पाठ्यक्रमों का समावेश है।
- सम्पूर्ण थ्योरी को tables और diagrams के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है।
- विगत वर्षों की परीक्षाओं के महत्वपूर्ण प्रश्नों का इस पुस्तक में समावेश है।

Code	Price	Pages
CB764	₹ 219	282

व्यावहारिक
सामान्य हिन्दी

इस पुस्तक में सम्पूर्ण हिन्दी व्याकरण, पत्र लेखन, संक्षेपण, पारिभाषिक शब्दावली एवं ऐसे कई नए अध्यायों का समावेश है जिनसे परीक्षाओं में अब काफी प्रश्न पूछे जाते हैं।

Prepared by:

Examcart Experts

AGRAWAL GROUP OF PUBLICATIONS

EduCart | Agrawal Publications | AGRAWAL EXAMCART

Book Name	व्यावहारिक सामान्य हिन्दी
Editor Name	Rahul Agarwal
Edition	Latest
Published by	Agrawal Group Of Publications (AGP) © All Rights reserved.
ADDRESS (Head office)	28/115 Jyoti Block, Sanjay Place, Agra, U.P. 282002
CONTACT	quickreply@agpgroup.in We reply super fast
BUY BOOK	www.examcart.in Cash on delivery available
WHATSAPP (Head office)	8937099777
PRINTED BY	Schoolcart
DESKTOP PUBLISHING	Agrawal Group Of Publications (AGP)
ISBN	978-93-91401-91-7
© COPYRIGHT	Agrawal Group Of Publications (AGP)

Disclaimer: This teaching material has been published pursuant to an undertaking given by the publisher that the content does not in any way whatsoever violate any existing copyright or intellectual property right. Extreme care is put into validating the veracity of the content in this book. However, if there is any error found, please do report to us on the below email and we will re-check; and if needed rectify the error immediately for the next print.

ATTENTION

No part of this publication may be re-produced, sold or distributed in any form or medium (electronic, printed, pdf, photocopying, web or otherwise) on Amazon, Flipkart, Snapdeal without the explicit contractual agreement with the publisher. Anyone caught doing so will be punishable by Indian law.

इस प्रकाशन का कोई भी हिस्सा प्रकाशक के साथ स्पष्ट संविदात्मक समझौते के बिना अमेज़न, फ्लिपकार्ट, स्नैपडील पर किसी भी रूप या माध्यम (इलेक्ट्रॉनिक, मुद्रित, पीडीएफ, फोटोकॉपी, वेब या अन्यथा) में फिर से उत्पादित, बेचा या वितरित नहीं किया जा सकता है। जो कोई भी ऐसा करता हुआ पकड़ा जाएगा, वह भारतीय कानून द्वारा दंडनीय होगा।

AGP contributes Rupee One on every book purchased by you to the **Friends of Tribals Society** Organization for better education of tribal children.

यह पेज अवश्य पढ़ें।

(जानिए हम आपकी परीक्षा की तैयारी में कैसे मदद करते हैं)

कुछ ही वर्षों में Agrawal Examcart की पुस्तकें शिक्षकों और छात्रों के बीच काफी लोकप्रिय हो गयी हैं। हमारे Subject Experts पुस्तकों की विषय सामग्री पर विशेष ध्यान देते हैं। परीक्षा के पठ्यक्रमानुसार पाठ्यपुस्तकों और गाइडबुक्स के माध्यम से हम आपको syllabus-wise सटीक और सरल भाषा में पुस्तकें प्रदान करते रहे हैं जिससे आपको कम समय में परीक्षा की तैयारी में मदद मिले। किसी भी परीक्षा सम्बन्धी practice set को तैयार करते समय, हमारा उद्देश्य यही रहता है कि आप अपनी परीक्षा की तैयारी का स्वयं मूल्यांकन 90% से अधिक सटीकता से कर सकें। यही कारण है कि प्रत्येक Practice set पिछले परीक्षा पैटर्न के अनुसार तैयार किया जाता है और इसमें बहुत अच्छे प्रश्नों का संग्रह होता है।

"हमारा उद्देश्य सिर्फ आपको पुस्तक उपलब्ध करना ही नहीं बल्कि आपके पुस्तक खरीदने से लेकर पुस्तक पूरा पढ़ने तक के सफर में हम आपके सारथि होंगे। इसीलिए हमने कुछ ऐसी सेवाएँ (नीचे दी गई) शुरू की हैं जिनकी मदद से हम आपकी सहायता कर पाएंगे।"

अपने Phone पर इस पुस्तक के संशोधित Updates प्राप्त करें!

हर बार जब हम इस पुस्तक में संशोधन या कोई भी नया update करेंगे तो उसकी जानकारी हम आपके Whatsapp Number पर भेजेंगे जिससे आपको इस बुक का नया संस्करण न लेना पड़े और आपको free में Updated Content मिल जाये । इसके लिए आपको नीचे दिए हुए फॉर्म को भरना होगा जिससे हम आपको Updated content भेज पाएं। ध्यान दें कि फॉर्म भरते समय Book Code सही डालें नहीं तो आपको किसी और बुक के Updates मिलेंगे । बुक का कोड पुस्तक के पीछे कवर पर नीचे से बायीं तरफ दिया है जो 'CB' से शुरू होता है|

Form link ☛ http://bit.ly/exmcrtrev or **Scan Code ☛**

Whatsapp Helpline No. (पुस्तक में गलती या परीक्षा सम्बंधित जानकारी)

परीक्षाओं से समबन्धित किसी भी तरह की जानकारी जैसे-पाठ्यक्रम, पेपर पैटर्न, सबसे अच्छी पुस्तकें, परीक्षा सम्बंधित महत्वपूर्ण Dates, किसी प्रश्न का हल एवं **हमारी पुस्तकों में किसी भी तरह की गलती पाए जाने पर हमारे whatsapp Helpline नंबर पर संपर्क करें** | हमारी Experts की Team आपको उससे सम्बंधित सही जानकारी उपलब्ध कराएगी|

Whatsapp number ☛ 8937099777 or **Scan Code ☛**

Join Telegram Group

Agrawal Examcart ने **Examcart Live** के नाम से एक नया **Telegram Group** शुरू किया है जिससे आपको कई तरह से परीक्षा की तैयारी में मदद मिलेगी

- नवीनतम परीक्षा का पूर्ण **Notification** और पाठ्यक्रम के **Updates** प्राप्त करें।
- नई परीक्षाओं से सम्बंधित best नवीनतम पुस्तकों के **Updates** प्राप्त करें ।
- नई परीक्षाओं से सम्बंधित **Free Study material** प्राप्त करें ।
- अपनी परीक्षा की तैयारी का परीक्षण करने के लिए **weekly practice problem sheet** प्राप्त करें ।

Join us on Telegram: ☛ **t.me/Examcartlive** or **Scan Code ☛**

Read & Practice Online

हमारी Android App और Website पर पढ़ने की जानकारी अगले पृष्ठ पर दी गयी है |

Agrawal Examcart

Catalog ☛ **https://bit.ly/exmcat21** Website ☛ **https://bit.ly/amzexmcrt**

ANDROID APP ON
Google Play

App की विशेषताएं!!!

- एकमात्र app जिसमें आपको परीक्षाओं से सम्बंधित सभी contents नए पाठ्यक्रम और परीक्षा पैटर्न अनुसार up-to-date मिलेंगे।
- App पर Course को खरीदने से पहले उसकी गुणवत्ता जानने के लिए Free content दिया है |
- हमारे App पर 100 से अधिक परीक्षाओं पर courses आकर्षक मूल्य पर उपलब्ध हैं |
- App पर Online Quiz देते समय आपको वास्तविक online परीक्षा जैसा अनुभव प्राप्त होगा।

Examcart Android App को चलाने की जानकारी

Step 1: **Google playstore** से **Examcart** की **App** को **Download** करें। **Examcart App** को **Playstore** पर देखने का link **http://bit.ly/examcartapp2021**

Step 2: **Examcart App** में **login** करें और Category Section में जाके अपने **Exam** से सम्बन्धित **Course** को देखें |

हमारे **app** के **features** एवं उसकी कार्य प्रणाली को समझने के लिए **15 seconds का Tutorial** देखें।
http://bit.ly/exmcrtdemo

Laptop, Desktop या iphone Users के लिए

Step 1: Mobile या Laptop Browser पर www.examcart.sikhaoo.com टाइप करें।

Step 2: हमारे Course को use करने के लिए **Sign in** करें।

Subscribe to our

YouTube Channel

☞ Examcart Live

Agrawal Examcart के Experts अब आपको न केवल सर्वश्रेष्ठ पुस्तकें उपलब्ध कराएंगे, बल्कि आपको ऑनलाइन भी पढ़ाएंगे। इसी दिशा में काम करते हुए हमने अपना "Examcart Live " के नाम से Youtube Channel शुरू किया है। हमारे आने वाली Live courses की जानकारी, महत्वपूर्ण पुस्तकें, आगामी परीक्षा के पाठ्यक्रम और notifications सम्बंधित videos को देखने के लिए हमारे Youtube channel को subscribe करें।

Join our Telegram Channel

☞ Examcart Live

Agrawal Examcart ने "Examcart Live" के नाम से अपना telegram channel शुरू किया है। इस channel के माध्यम से हम जो भी नयी online classes शुरू करने वाले हैं, उनका timetable, classes कब से शुरू होंगी, उनका price और अन्य जानकारी आपको इस चैनल के माध्यम से हमारे experts देते रहेंगे। इसलिए इस चैनल को join करना न भूलें।

Telegram channel link ☞ https://t.me/Examcartlive

विषय-सूची

अध्याय | **पृष्ठ संख्या**

अध्याय		पृष्ठ संख्या
1.	हिन्दी वर्णमाला	1-7
2.	विराम चिह्न	8-12
3.	शब्द रचना, अर्थ, वाक्य रचना, अव्यय	13-30
4.	उपसर्ग–प्रत्यय	31-41
5.	लिंग, वचन एवं कारक की भूमिका	42-55
6.	संधि	56-69
7.	समास	70-80
8.	क्रिया एवं काल	81-90
9.	अनेकार्थी शब्द	91-96
10.	विलोम शब्द	97-110
11.	पर्यायवाची	111-121
12.	मुहावरे एवं लोकोक्ति	122-137
13.	वर्तनी	138-145
14.	हिन्दी भाषा के प्रयोग में होने वाली विभिन्न अशुद्धियाँ	146-155
15.	उत्तर प्रदेश की प्रमुख बोलियाँ	156-160
16.	वाक्यांश के लिए एक शब्द	161-169
17.	रस	170-176
18.	अलंकार	177-187
19.	छंद	188-195
20.	विशेषण एवं विशेष्य	196-201
21.	भाषा-विज्ञान	202-209
22.	हिन्दी साहित्य : हिन्दी पद्य/कृति एवं कृतिकार	210-224
23.	संज्ञा से अव्यय तक	225-236
24.	रिक्त स्थानों की पूर्ति : वाक्य एवं अनुच्छेद में रिक्त स्थानों की पूर्ति	237-238
25.	अनुच्छेद एवं क्रमबद्धता	239-248
26.	पल्लवन या विस्तारण	249-251
27.	संक्षेपण	252-254
28.	पारिभाषिक शब्दावली (कार्यालयी)	255-266
29.	शब्दकोश में शब्दों के क्रम का निर्धारण	267-269
30.	पत्र–लेखन	270-282

अध्याय 1
हिन्दी वर्णमाला

1. वर्ण

भाषा की सबसे छोटी इकाई ध्वनि है, इस ध्वनि को वर्ण कहा जाता है।

हिन्दी में उच्चारण के आधार पर 45 वर्ण एवं लेखन के आधार पर 52 वर्ण होते हैं।

1.1 स्वर

अ, आ, इ, ई, उ, ऊ (ऋ), ए, ऐ, ओ, औ, कुल 11 स्वर हैं।

मात्राएँ—अ की कोई मात्रा नहीं होती। ा ि ी ु ू ृ े ै ो ौ

अनुस्वार—अं (ं)

जैसे—अंश, अंदेशा, संपदा, हंस।

अनुनासिक— ँ (चन्द्रबिन्दु)

जैसे—हँसना, धुआँ, चाँद।

विसर्ग—अः (ः)

जैसे—अधःगति, दुःख, मनःस्थिति।

1.2 व्यंजन

क वर्ग	:	क ख ग घ ङ
च वर्ग	:	च छ ज झ ञ
ट वर्ग	:	ट ठ ड (ड़) ढ (ढ़) ण (द्विगुण व्यंजन ड़-ढ़)
त वर्ग	:	त थ द ध न
प वर्ग	:	प फ ब भ म
अंतःस्थ	:	य र ल व
उष्म	:	श ष स ह
संयुक्त व्यंजन	:	क्ष त्र ज्ञ श्र (क् + ष) (त् + र) (ज् + ञ) (श् + र)
आगत	:	(ज़ + फ़)

वर्णमाला एक सूक्ष्म परिप्रेक्ष्य में इस प्रकार द्रष्टव्य है।

2. स्वर वर्गीकरण

ह्रस्व स्वर (अ, इ, उ, ऋ) | दीर्घ स्वर (आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ) | प्लुत स्वर (राऽऽऽ—)

स्वर की संख्या = 11

I. **ह्रस्व स्वर**—उच्चारण में कम समय।

II. **दीर्घ स्वर**—उच्चारण में ह्रस्व स्वर से अधिक समय। इनके उच्चारण में दो मात्राओं का समय लगता है। इन्हें 'द्विमात्रिक स्वर' भी कहते हैं।

III. **प्लुत स्वर**—उच्चारण में एक मात्रा का तीन गुना समय लगता है। नाटक के संवादों में इसका उपयोग होता है। जैसे—हे राम !

स्वरों का वर्गीकरण उच्चारण के आधार पर

वर्ण नाम	उच्चारण स्थान	ह्रस्व स्वर	दीर्घ स्वर	निरानुनासिक मौखिक स्वर	अनुनासिक स्वर
कंठ्य	कंठ	अ	आ	अ, आ	अं, आँ
तालव्य	तालु (मुँह के भीतर की छत का पिछला भाग)	इ	ई	इ	इँ
मूर्धन्य	मूर्धा (मुँह के भीतर की छत का अगला भाग)	ऋ			
	कंठ+तालु (कंठतालव्य)	-	ए, ऐ		
	ओष्ठ+कंठ (कंठोष्ठ्य)	—	ओ, औ		
ओष्ठ्य	ओष्ठ/ओंठ	उ	ऊ		

3. व्यंजन

स्वर की सहायता से बोले जाने वाले वर्ण व्यंजन कहलाते हैं। प्रत्येक व्यंजन के उच्चारण में 'अ' स्वर मिला होता है।

विशेष—

'अ' के बिना व्यंजन का उच्चारण सम्भव नहीं है, हिन्दी में कुल 33 व्यंजन होते हैं, जिन्हें चार भागों में बाँटा गया है।

व्यंजन

स्पर्श व्यंजन (25) | अंतःस्थ व्यंजन (4) | उष्म व्यंजन (4) | संयुक्त व्यंजन (4)

I. **स्पर्श व्यंजन**—ये वर्ण कण्ठ, तालु, मुर्द्धा, दन्त और ओष्ठ स्थानों के स्पर्श से बोले जाते हैं। ये पाँच वर्गों में बँटे होते हैं। जिनका स्वरूप उच्चारण एवं ध्वनि के आधार पर इस प्रकार हैं—

क्र.	उच्चारण	ध्वनि	वर्ग	वर्ण
1.	कण्ठ	कंठ्य	क—वर्ग	क्, ख्, ग्, घ्, ङ्
2.	तालु	तालव्य	च—वर्ग	च्, छ्, ज्, झ्, ञ्
3.	मूर्द्धा	मूर्धन्य	ट—वर्ग	ट्, ठ्, ड्, ढ्, ण्
4.	दंत	वर्त्स्य	त—वर्ग	त्, थ्, द्, ध्, न्
5.	होंठ	ओष्ठ्य	प—वर्ग	प्, फ्, ब्, भ्, म्

विशेष—

स्पर्श व्यंजन के प्रत्येक वर्ग के अन्तिम वर्ण को (ङ, ञ, ण, न, म) को अनुनासिक कहते हैं। ङ्, ञ, ण् से कोई शब्द प्रारम्भ नहीं होता।

अनुस्वार (ं) और विसर्ग (ः) न तो स्वर होते हैं न ही व्यंजन। ये स्वर के अन्त में अवश्य लगते हैं। अतः इन दोनों ध्वनियों को 'आयोगवाह' कहते हैं। आयोगवाह का अर्थ है, योग न होने पर भी जो साथ रहे।

II. **अंत:स्थ व्यंजन**—इनका उच्चारण जीभ, तालु, दाँत और ओठों के परस्पर सटने से होता है किन्तु पूर्ण स्पर्श नहीं होता है। इनकी संख्या चार होती है (य र ल व)। इन्हें अर्द्धस्वर भी कहते हैं।

III. **उष्म व्यंजन**—जिनके उच्चारण में वायु घर्षण करती हुई बाहर निकलती हो। श्, ष्, स्, ह्।

IV. **संयुक्त व्यंजन**—वे वर्ण जो दो व्यंजन के मेल से बनते हैं।

क्ष = क् + ष
त्र = त् + र
ज्ञ = ज् + ञ
श्र = श् + र

4. व्यंजन के भेद

व्यंजन के दो भेद होते हैं—

I. **अल्पप्राण**—इनको उच्चारण में कम श्रम करना पड़ता है। प्रत्येक वर्ग का प्रथम, तृतीय और पाँचवाँ तथा अंत:स्थ वर्ण अल्पप्राण होता है;

जैसे—क, ग, ङ, च, ज, ञ, ट, ड, ण, त, द, न, प, ब, भ, य, र, ल, व।

II. **महाप्राण**—इनके उच्चारण में हकार जैसी ध्वनि रहती है। वर्ण का द्वितीय, चतुर्थ तथा उष्म वर्ण महाप्राण व्यंजन कहे जाते हैं।

जैसे—ख, घ, छ, झ, ट, ढ, थ, ध, फ, भ, श, ष, स, ह।

5. 'र' के विभिन्न रूप

'र' एक व्यंजन वर्ण है। उच्चारण की दृष्टि से यह लुंठित व्यंजन ध्वनि है।

हिन्दी भाषा में 'र' के विभिन्न रूपों का प्रयोग होता है। कहीं पर 'र' का प्रयोग स्वर रहित होता है तो कहीं पर स्वर सहित।

जिसमें 'अ' की ध्वनि हो वह स्वर सहित (क, च, ट, त, प) जिसमें 'अ' की ध्वनि न हो वह स्वर रहित (क्, च्, ट्, त्, प्)

'र' के विभिन्न रूप—र, रा, रु, रू, र्, क्र, ट्र, हृ

'र' का सामान्य रूप

'र' रमन, दरवाजा, दीवार

'र' के सामान्य रूप का प्रयोग में 'र' शब्द के आरम्भ में, मध्य में और अन्त में आ सकता है।

'र' में सभी मात्राएँ लग सकती है सिवाय 'ऋ' और हलन्त (्) के, जैसे—

र, रा, रि, री, **रु**, **रू**, रे, रै, रो, रौ

र + उ = रु (रुद्र, रुचि, पुरुष, गुरु, रुपया)

र + ऊ = रू (रूप, रूठना, अमरूद, डमरू, रूखा)

रेफ

यह रेफवाला 'र' कहलाता है। यह स्वर रहित 'र' है।

शब्दों में इसका प्रयोग होते समय इसके उच्चारण के बाद आने वाले वर्ण की अन्तिम मात्रा के ऊपर लग जाता है, जैसे—

परव = पर्व

जुरमाना = जुर्माना

वरणन = वर्णन

कुछ ऐसे शब्द जिसमें 'र' के बाद का वर्ण भी स्वर रहित हो तो रेफ का प्रयोग उसके अगले वर्ण के सिर पर लगता है, जैसे—

व् + अ + र् + ण् + य् + अ = वर्ण्य

अ + र् + घ् + य् + अ = अर्घ्य

विशेष द्रष्टव्य

- कुछ शब्द ऐसे भी हैं जिसमें दो रेफों का प्रयोग लगातार होता है, जैसे—धर्मार्थ, पूर्वार्द्ध, वर्षर्तु।
- रेफ का प्रयोग कभी भी किसी भी शब्द के पहले अक्षर में नहीं लग सकता।
- स्वर वर्ण 'ई' के सिर पर लगा चिह्न और रेफ का चिह्न एक समान होता है, प्रयोग के समय ध्यान दें।
- 'र' के ऊपर भी रेफ का प्रयोग हो सकता है, जैसे—खर्र–खर्र अंतर्राष्ट्रीय इत्यादि।

नीचे पदेन

'्र' यह 'र' का नीचे पदेन वाला रूप है। 'र' का यह रूप भी स्वर रहित है। यह 'र' का रूप अपने से पूर्व आए व्यंजन वर्ण में लगता है। पाई वाले व्यंजनों के बाद प्रयुक्त 'र' का यह रूप तिरछा होकर लगता है, जैसे—क्र, प्र, म्र इत्यादि।

जिन व्यंजनों में एक सीधी लकीर ऊपर से नीचे की ओर आती हैं उसे ही हम खड़ी पाई वाले व्यंजन कहते हैं, जैसे—क, ख, ग, च, म, प, य इत्यादि।

पाई रहित व्यंजनों में नीचे पदेन का रूप ्र इस तरह का होता है, जैसे—

राष्ट्र, ड्रम, पेट्रोल, ड्राइवर इत्यादि।

जिन व्यंजनों में एक सीधी लकीर ऊपर से नीचे की ओर बहुत थोड़ी मात्रा में आती हैं उसे ही हम पाई रहित व्यंजन कहते हैं, जैसे—ट, ठ, द, ड, इत्यादि।

'द' और 'ह' में जब नीचे पदेन का प्रयोग होता है तो 'द् + र = द्र' और 'ह् + र = ह्र' हो जाता है, जैसे—दरिद्र, रुद्र, ह्रद, ह्रास इत्यादि।

'त' और 'श' में जब नीचे पदेन का प्रयोग होता है तो 'द् + र = द्र' और 'ह् + र = ह्र' हो जाता है, जैसे—त्रिशूल, नेत्र, श्रमिक, अश्रु इत्यादि।

विशेष द्रष्टव्य

- ्र का प्रयोग केवल 'ट' और 'ड' व्यंजन वर्णों के साथ ही होता है। 'ड्र' से अधिकतर अंग्रेजी शब्दों का ही निर्माण होता है।
- कुछ शब्द ऐसे हैं जिनमें दो नीचे पदेन का प्रयोग एक ही शब्द में हो सकता है, जैसे—प्रक्रम, प्रकार्य इत्यादि।
- कुछ शब्द ऐसे हैं जिनमें नीचे पदेन का प्रयोग एक ही शब्द में हो सकता है, जैसे—आर्द्र, पुनर्प्रस्तुतीकरण इत्यादि।

'र' और 'ऋ' में निहित अंतर

- 'र' और 'ऋ' में निहित अंतर को समझना आपके लिए फायदेमंद साबित होगा क्योंकि कभी–कभी कुछ छात्र 'र' और 'ऋ' से जुड़ी गलतियाँ कर बैठते हैं।

- 'र' व्यंजन वर्ण है और 'ऋ' स्वर वर्ण
- 'र' का रूप क्र, र्क, ट्र और 'ऋ' की मात्रा ' ृ ' है, जैसे–ग्रह और गृह
- 'ऋ' का प्रयोग जिस किसी भी शब्द के साथ होता है, वह तत्सम (संस्कृत के शब्द) शब्द ही होता है।
- 'ऋ' का उच्चारण अलग–अलग राज्यों में अलग–अलग तरीके से होता है, कृष्णा शब्द का उच्चारण बिहार, दिल्ली में Krishna और ओडिशा, महाराष्ट्र में Krushna होता है, अर्थात् भाषा चलन के अनुसार कहीं 'रि' और 'रु' हो जाता है।

व्यंजनों का वर्गीकरण : उच्चारण स्थान के आधार पर (एक परिप्रेक्ष्य)

वर्ण नाम	उच्चारण स्थान	अघोष अल्पप्राण	अघोष महाप्राण	सघोष अल्पप्राण	सघोष महाप्राण	सघोष अल्पप्राण नासिक्य
कंठ्य	कंठ	क	ख	ग	घ	ङ
तालव्य	तालु (मुँह के भीतर की छत का पिछला भाग)	च	छ	ज ज़	झ	ञ
मूर्धन्य	मूर्धा (मुँह के भीतर की छत का अगला भाग)	ट	ठ	ड	ढ ढ़	ण
दंत्य	ऊपरी दाँतों के निकट से	त	थ	द	ध	न
ओष्ठ्य	दोनों ओठों से	प	फ फ़	ब	भ	म
तालव्य	तालु (मुँह के भीतर की छत का अगला भाग)	-	श	य		
वर्त्स्य	दंत + मसूड़ा (दंत मूल से)	-	स	र, ल		
दंत्योष्ठ्य	ऊपर के दाँत + निचला ओंठ	-	-	व		
मूर्धन्य	मूर्धा (भीतर की छत का अगला भाग)	-	ष	-		
स्वरयंत्रीय	स्वर यंत्र (कंठ के भीतर स्थित)	-	-	-	ह	
उत्क्षिप्त	जिनके उच्चारण में जीभ ऊपर उठकर झटके के साथ नीचे को आये।	-	-	ड़	ढ़	

विशेष–

आगत/गृहीत ध्वनियाँ (क़, ख़, ग़, ज़, फ़) ऑ।

वर्णमाला (स्वर एवं व्यंजन) संक्षिप्त पुनरावलोकन

- **स्वर**—जिन वर्णों का उच्चारण बिना किसी अवरोध के तथा बिना किसी दूसरे वर्ण की सहायता से होता है, उन्हें स्वर कहते हैं।
- **ह्रस्व स्वर**—जिन स्वरों के उच्चारण में कम समय लगता है, उन्हें ह्रस्व स्वर कहते हैं।
- **दीर्घ स्वर**—जिन स्वरों के उच्चारण में ह्रस्व स्वरों से अधिक समय लगता है, उन्हें दीर्घ स्वर कहते हैं।
- ह्रस्व स्वर हैं—**अ, इ, उ, ऋ**
- मूल स्वर हैं—**अ, इ, उ, ऋ**
- दीर्घ स्वर हैं—**आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ**
- आगत स्वर हैं—**ऑ**
- अग्र स्वर हैं—**इ, ई, ए, ऐ**
- मध्य स्वर हैं—**अ**
- पश्च स्वर हैं—**आ, उ, ऊ, ओ, औ, ऑ**
- संवृत स्वर हैं—**ई, ऊ, इ, उ**
- अर्द्ध संवृत हैं—**ए, ओ**
- विवृत हैं—**आ**
- अर्द्ध विवृत हैं—**ए, अ, ओ, औ**
- व्यंजनों की संख्या—**(41)**
- स्पर्श व्यंजनों की संख्या—**(25)**
- अंतःस्थ व्यंजनों की संख्या—**(4)**
- ऊष्म व्यंजनों की संख्या—**(4)**
- आगत व्यंजनों की संख्या—**(2)**
- संयुक्त व्यंजनों की संख्या—**(4)**
- **क-वर्ग** ध्वनियाँ हैं—**क्, ख्, ग्, घ्, ङ्**
- **च-वर्ग** ध्वनियाँ हैं—**च्, छ्, ज्, झ्, ञ्**
- **ट-वर्ग** ध्वनियाँ हैं—**ट्, ठ्, ड्, ढ्, ण् (ड़्, ढ़्)**
- **त-वर्ग** ध्वनियाँ हैं—**त्, थ्, द्, ध्, न्**
- **प-वर्ग** ध्वनियाँ हैं—**प्, फ्, ब्, भ्, म्**
- **अन्तःस्थ** व्यंजन हैं—**य, र, ल, व**
- **अर्धस्वर** हैं—**य, व**
- **लुंठित** व्यंजन हैं—**र**

- **पार्श्विक** व्यंजन हैं—**ल**
- **ऊष्म-संघर्षी** व्यंजन हैं—**स, श, ष, ह**
- **उत्क्षिप्त** व्यंजन हैं—**ड़, ढ़**
- अघोष वर्ण हैं—**प्रत्येक वर्ग के प्रथम और द्वितीय वर्ण तथा श, ष, स**
- घोष वर्ण हैं—**प्रत्येक वर्ग के तृतीय, चतुर्थ, पंचम वर्ण तथा य, र, ल, व, ह**
- अल्पप्राण व्यंजन हैं—**प्रत्येक वर्ग का प्रथम, तृतीय, पंचम वर्ण तथा अन्त:स्थ वर्ण**
- महाप्राण व्यंजन हैं—**प्रत्येक वर्ग के द्वितीय व चतुर्थ वर्ण तथा ऊष्म वर्ण**
- नासिक्य व्यंजन हैं—**ङ्, ञ्, ण्, न्, म्**
- कंठ व्यंजन हैं—**क्, ख्, ग्, घ्, ङ्**
- तालव्य व्यंजन हैं—**च्, छ्, ज्, झ्, ञ्, श्, य्**
- मूर्धन्य व्यंजन हैं—**ट्, ठ्, ड्, ढ्, ण, (ढ़), ष**
- दंत्य व्यंजन हैं—**त्, थ्, द, ध्, न्**
- ओष्ठ्य व्यंजन हैं—**प्, फ (फ़), ब्, भ्, म्**
- दंत्योष्ठ्य व्यंजन हैं—**व्**
- स्वरयंत्रीय व्यंजन हैं—**ह्**

महत्वपूर्ण वन लाइनर

हिन्दी भाषा की लिपि है—	**देवनागरी**
फारसी लिपि लिखी जाती है—	**दाएँ से बाएँ**
पंजाबी किस लिपि में लिखी जाती है ?	**गुरुमुखी**
सर्वप्रथम भाषा का प्रयोग किस रूप में हुआ ?	**मौखिक**
भाषा के लिखने का ढंग है—	**लिपि**
भाषा साधन है—	**अभिव्यक्ति का**
भाषा संरचना में अपेक्षित भाषा के प्रमुख अंग होते हैं—	**2**
भाषा का प्राथमिक रूप है—	**मौखिक**
देवनागरी लिपि का विकास हुआ है—	**ब्राह्मी**
वर्ण-विचार	
क्ष, त्र, ज्ञ, श्र वर्ण हैं—	**संयुक्त व्यंजन**
अयोगवाह किसे कहा गया है ?	**अं, अः**
फ, ब किस प्रकार के वर्ण हैं ?	**ओष्ठ्य**
ध्वनि किसकी लघुत्तम इकाई है ?	**भाषा**
लघुत्तम वाग्-ध्वनि को कहते हैं—	**वर्ण**
वर्णमाला में मात्रा का अर्थ है—	**वर्ण के उच्चारण में लगने वाला समय**
सदैव बहुवचन में प्रयुक्त होने वाला शब्द है—	**हस्ताक्षर**
'र' कौनसा व्यंजन है—	**लुंठित**
'प्यास' शब्द का वर्ण-विच्छेद है—	**प् + य् + आ + स् + अ**
आगत व्यंजनों की संख्या है—	**2**
उक्षिप्त व्यंजन है—	**ड़, ढ़**
अर्ध स्वर है–	**य, व**
'अहा ! आप आ गये' वाक्य में 'अहा' शब्द है—	**अव्यय**
संवृत स्वर हैं–	**ई, ऊ**
क, ग, ज, फ ध्वनियाँ हैं–	**अरबी, फारसी की**
'ल' किस व्यंजन का उदाहरण है—	**पार्श्विक व्यंजन**
'घ' का उच्चारण स्थान है—	**कंठ**
'तृ' की ध्वनि है—	**त् + ऋ + अ**
मूर्धन्य व्यंजन हैं—	**ट, ठ, ड, ढ**
स्वर का उदाहरण है—	**अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ऐ**
स्वर की सहायता से बोले जाने वाले वर्ण—	**व्यंजन**
तालव्य व्यंजन—	**च, छ, ज, झ**
हिन्दी वर्णमाला के स्वरों की संख्या—	**11**
प वर्ग ध्वनियाँ—	**प्, फ्, ब्, भ्, म्**
ऊष्म संघर्षी व्यंजन—	**स, श, ष, ह**
स्वरतंत्रियों के आधार पर व्यंजनों को दो वर्गों में बाँटा गया है— 1. घोष व्यंजन 2. अघोष व्यंजन	
मूल व्यंजनों की संख्या—	**33**
जिनके उच्चारण में ह्रस्व से ज्यादा समय लगता है—	**दीर्घ स्वर**
दीर्घ स्वर हैं—	**आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ**
ऊष्म व्यंजनों की संख्या—	**4**
स्पर्श व्यंजनों की संख्या—	**25**
हिन्दी किस भाषा परिवार की भाषा है ?	**भारोपीय**
भारत में सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा—	**हिन्दी**
ब्रजभाषा किस रूप में सबसे अधिक प्रसिद्ध है ?	**काव्य भाषा**
देवनागरी लिपि में स्वरों की संख्या—	**11**
भाषा में स्वत: उच्चारित ध्वनियों को कहा जाता है—	**स्वर**

राजभाषा अधिनियम पारित हुआ—	**10 मई, 1963**
नासिक्य व्यंजन का उदाहरण—	**ञ**
ओ और औ किस प्रकार के वर्ण हैं ?	**कंठोष्ठ्य**
अघोष व्यंजन का उदाहरण—	**श, स**
सघोष व्यंजन का उदाहरण—	**य, र**
प और फ का उच्चारण स्थान—	**ओष्ठ्य**

किस व्यंजन के उच्चारण मे जिह्वा, तालु से नहीं टकराती है ?	**ध**
ओउम् को किस तरह का स्वर माना जाता है ?	**प्लुत**
बाह्य प्रयत्न के आधार पर व्यंजन के भेद—	**दो—अल्पप्राण, महाप्राण**
मात्रा के आधार पर स्वर के प्रकार होते हैं—	**तीन 1. ह्रस्व स्वर, 2. दीर्घ स्वर, 3. प्लुत स्वर**

परीक्षोपयोगी महत्त्वपूर्ण प्रश्न

1. हिन्दी शब्दकोश में "क्ष" का क्रम किस वर्ण के बाद आता है ?

(A) क (B) छ
(C) त्र (D) ज्ञ

UPSSSC ग्राम पंचायत अधिकारी भर्ती परीक्षा, 2015 (परीक्षा तिथि : 21-02-2016)

2. प्रत्येक शब्द की वर्तनी के सभी वर्णों को उसी क्रम में अलग-अलग दिखाना क्या कहलाता है ?

(A) वर्ण संयोजन (B) वर्ण-विच्छेद
(C) संधि (D) संधि-विच्छेद

UPSSSC राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद् (संयुक्त संवर्ग) (प्रथम पाली) (परीक्षा तिथि : 30-05-2019)

3. वर्णमाला में स्पर्श व्यंजनों की संख्या कितनी है ?

(A) 25 (B) 30
(C) 20 (D) 35

UPSSSC राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद् (संयुक्त संवर्ग) (प्रथम पाली) (परीक्षा तिथि : 30-05-2019)

4. स्वर ए-ऐ का उच्चारण स्थान कौन-सा है ?

(A) कंठोष्ठ (B) दंतोष्ठ
(C) कण्ठ तालब्य (D) ओष्ठ

UPSSSC राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद् (संयुक्त संवर्ग) (प्रथम पाली) (परीक्षा तिथि : 30-05-2019)

5. हिन्दी शब्दकोश में 'क' के बाद कौन-सा व्यंजन दिखाई देता है ?

(A) झ (B) च
(C) ख (D) क्ष

UPSSSC राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद् (संयुक्त संवर्ग) (प्रथम पाली) (परीक्षा तिथि : 30-05-2019)

6. इनमें से कौन–सी देवनागरी लिपि की वर्ण ध्वनि नहीं है ?

(A) ग्रीवा ध्वनि (B) मूर्धा ध्वनि
(C) कंठ ध्वनि (D) दन्तोष्ठ्य

UPSSSC राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद् (संयुक्त संवर्ग) (द्वितीय पाली) (परीक्षा तिथि : 30-05-2019)

7. किस व्यंजन का उच्चारण स्थान तालव्य है ?

(A) ग (B) झ
(C) न (D) म

UPSSSC राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद् (संयुक्त संवर्ग) (द्वितीय पाली) (परीक्षा तिथि : 30-05-2019)

8. जिन ध्वनियों की गणना न स्वर में की जाती है न व्यंजन में उसे क्या कहते हैं ?

(A) आगत (B) ऊष्म
(C) अंतस्थ (D) अयोगवाह

UPSSSC राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद् (संयुक्त संवर्ग) (द्वितीय पाली) (परीक्षा तिथि : 30-05-2019)

9. स्वर तंत्रियों के आधार पर व्यंजनों को कितने वर्गों में बाँटा गया है ?

(A) एक (B) दो
(C) तीन (D) चार

UPSSSC राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद् (संयुक्त संवर्ग) (द्वितीय पाली) (परीक्षा तिथि : 30-05-2019)

10. जिह्वा की नोंक जब ऊपर के दाँतो की पंक्ति के सामने वाले दाँत के ऊपरी हिस्से के सम्पर्क में आकर वायु के प्रवाह को अवरुद्ध करती है, ऐसे उच्चारण स्थान को क्या कहा जाता है ?

(A) दंत्य (B) मूर्धन्य
(C) तालुव्य (D) वर्त्स्य

UPSSSC राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद् (संयुक्त संवर्ग) (द्वितीय पाली) (परीक्षा तिथि : 30-05-2019)

11. निम्न में दंत्य वर्ण कौन-सा है ?

(A) स (B) प
(C) ट (D) ह

UPSSSC स्टेनोग्राफर भर्ती परीक्षा, 2017 (प्रथम पाली) (परीक्षा तिथि : 10-03-2019)

12. निम्न में अनुनासिक वर्ण कौन-सा है ?

(A) प (B) ब
(C) म (D) थ

UPSSSC स्टेनोग्राफर भर्ती परीक्षा, 2017 (प्रथम पाली) (परीक्षा तिथि : 10-03-2019)

13. निम्न में कौन-सा वर्ण घोष है ?

(A) क (B) ख
(C) च (D) ग

UPSSSC स्टेनोग्राफर भर्ती परीक्षा, 2017 (प्रथम पाली) (परीक्षा तिथि : 10-03-2019)

14. निम्न में अन्तस्थ व्यंजन कौन-सा है ?

(A) क (B) च
(C) ट (D) य

UPSSSC विकास दल अधिकारी (सामान्य चयन) भर्ती परीक्षा, 2018 (प्रथम पाली) (परीक्षा तिथि : 16-09-2018)

15. प, फ, ब, भ, म ....व्यंजन होते हैं।

(A) दंत्य (B) ओष्ठ्य
(C) तालव्य (D) कंठ्य

UPSSSC विकास दल अधिकारी (सामान्य चयन) भर्ती परीक्षा, 2018 (द्वितीय पाली) (परीक्षा तिथि : 16-09-2018)

16. दो व्यंजन जब एक साथ मिलते हैं तो क्या कहलाते हैं ?

(A) संयुक्त व्यंजन (B) अल्पप्राण
(C) अन्त:स्थ (D) महाप्राण

UPSSSC विकास दल अधिकारी (सामान्य चयन) भर्ती परीक्षा, 2018 (द्वितीय पाली) (परीक्षा तिथि : 16-09-2018)

17. वर्ण तालिका के अनुसार ह्रस्व, दीर्घ और प्लुत क्या है ?
(A) स्वर (B) व्यंजन
(C) मात्रा (D) विसर्ग
UPSSSC विकास दल अधिकारी (सामान्य चयन) भर्ती परीक्षा, 2018 (द्वितीय पाली) (परीक्षा तिथि : 16-09-2018)

18. उष्म व्यंजन कौन-सा है ?
(A) ह (B) ल
(C) म (D) ज
UPSSSC लोअर II भर्ती परीक्षा, 2017 (परीक्षा तिथि : 15-07-2018)

19. हिन्दी वर्णमाला में अन्तःस्थ व्यंजन कौन–से हैं ?
(A) श ष स ह (B) य र ल व
(C) क्ष त्र ज्ञ श्र (D) च छ ज झ
UPSSSC ग्राम पंचायत अधिकारी पुनर्परीक्षा, 2016 (परीक्षा तिथि : 04-12-2016)

20. हिन्दी भाषा की कुल वर्ण लिपियाँ हैं–
(A) 44 (B) 33
(C) 52 (D) 48
UPSSSC जूनियर इंजीनियर/तकनीकी भर्ती परीक्षा, 2016 (परीक्षा तिथि : 31-07-2016)

21. मध्य स्वर कहते हैं–
(A) उ को (B) इ को
(C) ई को (D) अ को
UPSSSC जूनियर इंजीनियर/तकनीकी भर्ती परीक्षा, 2016 (परीक्षा तिथि : 31-07-2016)

22. निम्न में कण्ठ वर्ण हैं–
(A) इ, य, श (B) अ, ह विसर्ग (:)
(C) ऋ, ए, ष (D) लृ, स, ल
UPSSSC जूनियर इंजीनियर/तकनीकी भर्ती परीक्षा, 2016 (परीक्षा तिथि : 31-07-2016)

23. 'प्र' में पूर्ण वर्ण है–
(A) प (B) र
(C) दोनों (D) कोई नहीं
UPSSSC जूनियर इंजीनियर/तकनीकी भर्ती परीक्षा, 2016 (परीक्षा तिथि : 31-07-2016)

24. 'श' का उच्चारण स्थान है–
(A) कंठ (B) तालु
(C) मूर्द्धा (D) दन्त
UPSSSC गन्ना पर्यवेक्षक परीक्षा, 2016 (परीक्षा तिथि : 03-07-2016)

25. 'व' का उच्चारण स्थान है।
(A) दन्त (B) ओष्ठ
(C) दन्तोष्ठ (D) कण्ठोष्ठ
UPSSSC लोअर-I भर्ती परीक्षा, 2015 (द्वितीय पाली) (परीक्षा तिथि : 28-02-2016)

26. हिन्दी वर्णमाला में व्यंजनों की संख्या है–
(A) 32 (B) 34
(C) 33 (D) 36
UPSSSC ग्राम पंचायत अधिकारी भर्ती परीक्षा, 2015 (परीक्षा तिथि : 21-02-2016)

27. कौन ऊष्म व्यंजन नहीं है?
(A) श (B) ष
(C) ग (D) स
UPSSSC जूनियर इंजीनियर/तकनीकी भर्ती परीक्षा (परीक्षा तिथि : 27-12-2015)

28. संयुक्त व्यंजन 'ज्ञ' बनता है?
(A) ग + ञ (B) ज् + ञ
(C) ग् + न (D) क + ग
UPSSSC जूनियर इंजीनियर/तकनीकी भर्ती परीक्षा (परीक्षा तिथि : 27-12-2015)

29. 'व' व्यंजन है–
(A) ऊष्म (B) अन्तस्थ
(C) महाप्राण (D) अघोष
UPSSSC जूनियर इंजीनियर/तकनीकी भर्ती परीक्षा (परीक्षा तिथि : 27-12-2015)

30. किस वर्ण का उच्चारण–स्थान कंठ–तालु है?
(A) ओ (B) ऐ
(C) ह (D) छ
UPSSSC चकबन्दी लेखपाल भर्ती परीक्षा, 2015 (प्रथम पाली) (परीक्षा तिथि : 08-11-2015)

31. निम्न में से कौन–सा व्यंजन संघर्षी है?
(A) ह (B) म
(C) झ (D) ठ
UPSSSC चकबन्दी लेखपाल भर्ती परीक्षा, 2015 (प्रथम पाली) (परीक्षा तिथि : 08-11-2015)

32. निम्नलिखित में से कौन 'ट' वर्ग में नहीं है?
(A) ठ (B) ढ
(C) ध (D) ण
UPSSSC परिचालक (कंडक्टर) भर्ती परीक्षा, 2015 (परीक्षा तिथि : 23-08-2015)

33. निम्नलिखित में से कौन–सा संयुक्त स्वर है?
(A) ए, ऐ, ऋ (B) अ, ए, ओ
(C) आ, ऐ औ (D) ए, ऐ, ओ, औ
UPSSSC स्टेनोग्राफर (आशुलिपिक) भर्ती परीक्षा, 2015 (परीक्षा तिथि : 26-07-2015)

34. निम्न में से कौन–सा व्यंजन पार्श्विक है ?
(A) श (B) ल
(C) झ (D) य
UPSSSC कनिष्ठ सहायक (जूनियर असिस्टेंट) भर्ती परीक्षा, 2015 (परीक्षा तिथि : 31-05-2015)

35. वर्णों के उस समूह को, जिससे कोई निश्चित अर्थ निकलता हो, कहा जाता है–
(A) शब्द (B) वर्ण
(C) वर्ण–समूह (D) वक्तव्य
UP TET-IInd Paper (VI-VIII) Feb, 2014

36. 'ङ' का उच्चारण स्थान होता है–
(A) नासिक्य (B) कंठौष्ठ्य
(C) मूर्धन्य (D) कंठतालव्य
UP TET-Ist Paper (I-V) Oct, 2017

37. संकर शब्द किसे कहते हैं ?
(A) ग्रामीण भाषा का शब्द
(B) संस्कृत भाषा का शब्द
(C) ग्रामीण व संस्कृत भाषा के कुछ विशेष शब्द
(D) दो भाषा के शब्दों से मिलकर बना शब्द
UP TET-Ist Paper (I-V) Feb, 2014

38. भिन्न–भिन्न स्वरों के मेल से जो स्वर उतपन्न होता है उसे–
(A) संयुक्त स्वर (B) दीर्घ स्वर
(C) सन्धि स्वर (D) मूल स्वर
Chhattisgarh TET-IInd Paper (VI-VIII) 2011

39. किस शब्द में 'ऋ' स्वर नहीं है ?
(A) कृपा (B) कृष्ण
(C) दृष्टि (D) रिवाज
Rajasthan TET-IInd Paper (VI-VIII) July, 2011

40. किन ध्वनियों को 'अनुस्वार' कहा जाता है ?
(A) स्वर के बाद आने वाली नासिक्य ध्वनियाँ
(B) स्वतन्त्र रूप से उच्चारित ध्वनियाँ
(C) स्वर के साथ आने वाली ध्वनियाँ
(D) व्यंजन के बाद में आने वाली ध्वनियाँ
Rajasthan TET-IInd Paper (VI-VIII) July, 2011

41. 'थ' किस वर्ग का व्यंजन है ?
(A) ओष्ठ्य (B) तालव्य
(C) दन्त्य (D) ऊष्म
Uttarakhand TET-Ist Paper (I-V) April, 2016

42. 'ज्ञ' को वर्णमाला में माना जाता है–
(A) संयुक्त व्यंजन (B) स्वर सन्धि
(C) अनुस्वार (D) व्यंजन
Haryana TET-IInd Paper (VI-VIII) Feb, 2014

43. निम्न में से कौन–सा वर्ण स्पर्श संघर्षी है ?

(A) झ (B) श

(C) ट (D) ह

Haryana TET-IInd Paper (VI-VIII) Feb, 2014

44. निम्नलिखित में से कौन–सा प्रकम्पित वर्ण है ?

(A) र (B) ल

(C) य (D) व

Haryana TET-Ist Paper (I-V) 2015

45. मुखावयवों के निकट आने से संघर्ष के पश्चात् प्रकट होने वाली ध्वनि कौन–सी है ?

(A) स्पर्श (B) अंतस्थ

(C) वत्स्र्य (D) ऊष्म

Haryana TET-Ist Paper (I-V) 2015

46. अन्त और विदेश शब्दों में क्रमश: प्रत्यय का शुद्ध विकल्प है–

(A) त्य और य (B) य और श

(C) य और ईय (D) इनमें से कोई नहीं

Haryana TET-Ist Paper (I-V) Feb, 2014

47. भाषा की सबसे छोटी इकाई है—

(A) वर्ण (B) शब्द

(C) पद (D) वाक्य

HSSC क्लर्क परीक्षा (27 नवम्बर, 2016-द्वितीय पाली)

48. निम्नलिखित में कौन-से वर्ण का उच्चारण स्थान मूर्धा नहीं है ?

(A) ट (B) थ

(C) ड (D) ऋ

HSSC क्लर्क परीक्षा (11 दिसम्बर, 2016-प्रथम पाली)

49. निम्नलिखित में कौन-से वर्ण का उच्चारण स्थान तालु नहीं है?

(A) इ (B) द

(C) श (D) य

HSSC क्लर्क परीक्षा (11 दिसम्बर, 2016-प्रथम पाली)

50. विसर्ग का उच्चारण किसकी भाँति होता है ?

(A) श (B) ष

(C) स (D) ह

HSSC क्लर्क परीक्षा (27 नवम्बर, 2016-द्वितीय पाली)

51. हिन्दी में प्रत्येक वर्ग के अंतिम वर्ण का उच्चारण स्थान क्या है ?

(A) दंत (B) तालु

(C) नासिका (D) कंठ

HSSC क्लर्क परीक्षा (13 नवम्बर, 2016 प्रथम पाली)

52. स्वरों का जो रूप व्यंजनों के साथ जोड़ा जाता है, उसे कहते हैं–

(A) मात्रा

(B) वर्णमाला

(C) उच्चारण स्थान

(D) आगत वर्ण

HSSC क्लर्क परीक्षा(13 नवम्बर, 2016 द्वितीय पाली)

53. निम्नलिखित में से कौन वर्ण अन्त:स्थ नहीं है ?

(A) य (B) ह

(C) र (D) व

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (प्रवर) प्रारम्भिक परीक्षा, 2016 एप्टीट्यूड टेस्ट (C-SAT)

54. हिन्दी के जिन वर्णों का उच्चारण करते समय केवल श्वास का प्रयोग किया जाए, उन वर्णों को कहते हैं–

(A) अघोष (B) सघोष

(C) अल्पप्राण (D) महाप्राण

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (प्रवर) प्रारम्भिक परीक्षा, 2012 एप्टीट्यूड टेस्ट (C-SAT)

55. कौन-सा व्यंजन नासिक्य है ?

(A) क (B) ख

(C) ध (D) न

एप्टीट्यूड टेस्ट (C-SAT)

56. कौन-सा स्वर दीर्घ है ?

(A) अ (B) इ

(C) उ (D) ऐ

एप्टीट्यूड टेस्ट (C-SAT)

57. हिन्दी वर्णमाला में स्वरों की संख्या है–

(A) 13 (B) 11

(C) 16 (D) 12

एप्टीट्यूड टेस्ट (C-SAT)

58. 'च वर्ण' का उच्चारण मुँह के किस भाग से होता है ?

(A) कण्ठ (B) मूर्धा

(C) ओष्ठ (D) तालु

हरियाणा पुलिस (F) (2016)

उत्तरमाला

1. (A)	**2.** (B)	**3.** (A)	**4.** (C)	**5.** (D)
6. (A)	**7.** (B)	**8.** (D)	**9.** (B)	**10.** (D)
11. (A)	**12.** (C)	**13.** (D)	**14.** (D)	**15.** (B)
16. (A)	**17.** (A)	**18.** (A)	**19.** (B)	**20.** (C)
21. (D)	**22.** (B)	**23.** (B)	**24.** (B)	**25.** (C)
26. (C)	**27.** (C)	**28.** (B)	**29.** (B)	**30.** (B)
31. (A)	**32.** (C)	**33.** (D)	**34.** (B)	**35.** (A)
36. (A)	**37.** (D)	**38.** (A)	**39.** (D)	**40.** (A)
41. (C)	**42.** (A)	**43.** (A)	**44.** (A)	**45.** (D)
46. (D)	**47.** (A)	**48.** (B)	**49.** (B)	**50.** (D)
51. (C)	**52.** (A)	**53.** (B)	**54.** (D)	**55.** (D)
56. (D)	**57.** (B)	**58.** (D)		